फुफेरी बहन की लाइव चुदाई देखी- 3

“Xxx अंकल फक सिस्टर गांड का नजारा मैंने खुद देखा होटल के कमरे की खिड़की से ! मेरी बुआ की बेटी शादी में एक अंकल से पट गयी. मुझे पता लग गया तो मैंने उन दोनों की चुदाई देखी. ...”

Story By: कोमल मिश्रा (Komalmis)
Posted: Saturday, April 15th, 2023
Categories: लड़कियों की गांड चुदाई
Online version: फुफेरी बहन की लाइव चुदाई देखी- 3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फुफेरी बहन की लाइव चुदाई देखी- 3

Xxx अंकल फक सिस्टर गांड का नजारा मैंने खुद देखा होटल के कमरे की खिड़की से ! मेरी बुआ की बेटी शादी में एक अंकल से पट गयी. मुझे पता लग गया तो मैंने उन दोनों की चुदाई देखी.

नमस्कार दोस्तो, मैं अमित पटेल अपनी सेक्स कहानी के अगले भाग में आप सभी का स्वागत करता हूँ.

कहानी के पिछले दो भाग
फुफेरी बहन की चूत लाइव देखी
में आपने पढ़ा कि मैं अपने परिवार की एक शादी कार्यक्रम में गया हुआ था और वहां पर किस तरह से अपनी फुफेरी बहन के साथ अंकल की चुदाई देखने के लिए अंकल के रूम झांकते हुए उनकी चुदाई देखने लगा.

अभी तक वो दोनों एक दूसरे को चूम चाटकर गर्म कर रहे थे और अभी दोनों की चुदाई शुरू नहीं हुई थी.

अब आगे Xxx अंकल फक सिस्टर गांड का नजारा :

इस कहानी में जानते हैं कि किस तरह से उस अंकल ने सविता को हर तरह से चोदा, जिससे सविता संतुष्ट होने के साथ साथ उस अंकल से चुदते हुए परेशान हो गई लेकिन वो अंकल उसे बस चोदता ही जा रहा था.

दोस्तो, मैं कमरे के पीछे उस खिड़की पर लगभग एक घंटा से बैठा हुआ था और खिड़की के छेद से अन्दर का नजारा देख रहा था.

अभी तक एक घंटा में उन दोनों ने एक दूसरे को चूमते सहलाते हुए एक दूसरे को अच्छी तरह गर्म कर दिया था.

अंकल सविता को चोदने के लिए अब पूरी तरह से तैयार था.

मैं भी ये देखने के लिए उत्सुक था कि सविता किस तरह से उस अंकल का इतना लंबा और मोटा लंड अन्दर लेती है.

अंकल ने सविता को बिस्तर पर लेटा दिया था और सविता के ऊपर लेटा हुआ था.
सविता ने भी अपनी दोनों टांगों को फैला कर अंकल को अपनी टांगों के बीच में सैट कर लिया था.

अंकल का लंड बिल्कुल सविता के चूत के ऊपर ही था.
मैं टकटकी लगाए बस उस पल का इंतजार कर रहा था कि कब अंकल अपना लंड उसकी चूत में डालेगा.

अंकल ने दोनों हाथों से सविता के घुटनों को पकड़कर उसकी जांघों को पूरी तरह से फैला दिया और लंड को पकड़कर चूत पर ऊपर नीचे करते हुए रगड़ने लगा.

कुछ देर में अंकल ने सुपारे को चूत के छेद में लगाया और थोड़ा जोर दिया, जिससे सुपारा चूत में अन्दर जाकर सैट हो गया.
अब अंकल ने अपने दोनों हाथों को सविता की पीठ पर ले जाकर सविता को अपने सीने से चिपका लिया.

इसके बाद अंकल ने जोर लगाते हुए बिना रुके ही पूरा का पूरा लंड सविता की चूत में पेल दिया.
सविता का बदन अकड़ सा गया और उसने अंकल की पीठ को जोर से कस लिया और जोर

से बोली- ऊऊई मम्मीईई आआह मर गई !

सविता को बिल्कुल भी दर्द नहीं हो रहा था जिससे मैं समझ गया कि ये बहुत बड़ी वाली चुदक्कड़ रांड है, तभी इतने बड़े और मोटे लंड को इतनी आसानी से झेल गई.

अंकल सविता के चेहरे की तरफ देखते हुए कुछ बोला.
जिसके बाद सविता ने अपनी जीभ बाहर निकाल दी.

अंकल ने उसकी जीभ को अपने मुँह में भर लिया और चूसने लगा.

अब अंकल अपनी कमर को हिलाने लगा और सविता को चोदने लगा.

धीरे धीरे अंकल की रफ्तार इतनी तेज हो गई कि पूरा बिस्तर बुरी तरह से हिलने लगा.

वो बहुत बुरी तरह से सविता को चोद रहा था.
लेकिन सविता को तकलीफ के बजाए बहुत मजा आ रहा था क्योंकि उस वक्त सविता अपनी आंखें बंद करके बेहद ही गंदी गंदी आवाजें निकाल रही थी- आआह ईई मम्मीईईई आह आह ऊऊह !

मैं तो उन दोनों की चुदाई देखकर यही सोच रहा था कि क्या मेरा लंड भी कभी ऐसा हो पाएगा कि मैं भी इस तरह से किसी को चोद सकूंगा ?

लगभग 10 मिनट तक बिना रुके वो अंकल सविता को जोर जोर से चोदता रहा.
इसके बाद अंकल रुका और लंड बाहर निकाला.

मैंने देखा कि लंड और चूत के चारों तरफ झाग ही झाग लगा हुआ था, जिसे अंकल ने अपनी चड्डी से साफ किया.

इसके बाद अंकल ने सविता को इशारा किया और सविता अपने घुटनों के बल हो गई और घोड़ी बन गई.
जैसे ही सविता घोड़ी बनी उसकी गांड बिल्कुल मेरी तरफ ही थी.

उसकी गोरी गांड देख मेरा लंड भी झटके मारने लगा.
उसकी गांड और चूत का छेद मुझे बिल्कुल साफ साफ नजर आ रहा था और उसके गांड का छेद छुईमुई की तरह अन्दर बाहर होकर सिकुड़ रहा था, जिसे देखकर मुझे ऐसा लगा कि अभी इसकी गांड में अपना लंड पेल दूँ.

अब अंकल उसके पीछे आ गया और उसके दोनों चूतड़ को पकड़कर अपना लंड चूत में लगा दिया, फिर एक ही बार में अन्दर पेल दिया.
अन्दर डालते ही वो जोर जोर से उसे चोदने लगा.

मैं खिड़की से बड़े करीब से उन दोनों की चुदाई देख रहा था और सविता की चूत में लंड जाते हुए मुझे साफ दिख रहा था.

उसके बड़े बड़े दूध नीचे की तरफ लटक रहे थे और उसके चूतड़ों पर जोर जोर से धक्के लग रहे थे.
अंकल का लंड चूत में इस तरह से जा रहा था, जैसे मक्खन में चाकू जा रहा हो.

जल्द ही सविता झड़ गई और उसकी चूत पानी से पूरी तरह से भर गई.
लेकिन अंकल अभी भी उसे चोदे जा रहा था.

लगभग 10 मिनट बाद अंकल भी झड़ गया और अपना लंड हिलाते हुए सारा पानी सविता के चूतड़ों पर फैला दिया.

उसके बाद अंकल बिस्तर से उतरकर बाथरूम चला गया लेकिन सविता थकी हुई लग रही

थी और वो ऐसे ही घोड़ी बनी हुई बिस्तर पर लेट गई.

जब अंकल वापस आया तो सविता उठकर बाथरूम चली गई.
इधर अंकल नंगा ही बिस्तर पर लेट गया उस वक्त तक उसका लंड बिल्कुल सिकुड़ चुका था.

कुछ देर बाद सविता वापस आई और उसने अपने ऊपर लगे अंकल के वीर्य को साफ कर लिया था.
वापस आकर सविता भी अंकल के बगल में लेट गई.

मैंने सोचा कि अब सविता अपने कमरे में वापस जाएगी.
लेकिन अभी उसका ऐसा कोई इरादा नहीं लग रहा था इसलिए मैं भी वहीं खिड़की पर बैठा रहा और अन्दर देखता रहा.

उस वक्त रात के दो बजे थे.

लगभग बीस मिनट के बाद अंकल ने सविता को खींचकर अपने ऊपर ले लिया और सविता के निप्पलों को चूसने लगा.
सविता भी उसके लंड को हाथ से आगे पीछे करने लगी.

अंकल एक हाथ सविता के चूतड़ों पर चला रहा था और वो उंगली से गांड के छेद को रगड़ने लगा.
कुछ देर में ही अंकल का लंड फिर से पहले की तरह खड़ा हो गया.

इस बार सविता ने अंकल का लंड पकड़कर अपनी चूत में लगाया और अन्दर ले लिया.
पहले तो सविता धीरे धीरे ही लंड पर कूद रही थी लेकिन कुछ देर में वो जोर जोर से कमर हिलाते हुए लंड अन्दर लेने लगी.

जब सविता थक गई तो अंकल उसे अपने सीने पर लेटा लिया और नीचे से अपना लंड हिलाकर उसे जोर जोर से चोदने लगा.

कुछ समय तक ऐसे ही चोदने के बाद वो दोनों रुक गए और उठकर बिस्तर से नीचे आ गए.

अब अंकल ने सविता की एक टांग उठाकर बिस्तर पर रखी और सविता के सामने आकर अपना लंड चूत में डाल दिया.

दोनों एक दूसरे को जकड़े हुए थे और दोनों ही अपनी अपनी कमर हिला रहे थे.

सविता के गोरे गोरे दूध बुरी तरह से अंकल के सीने पर दबे हुए थे.
अंकल उसके गालों को चूमता जा रहा था और दोनों अपनी कमर हिलाते हुए लंड को चूत में डाल निकाल रहे थे.

इस चुदाई को देख मेरी हालत खराब हो गई और मैं चड्डी के अन्दर ही झड़ गया.

कुछ देर बाद अंकल ने सविता के दोनों पैरों को उठाया और उसे अपनी गोद में लेकर उसे उछालने लगा.

आहह दोस्तो … वो नज़ारा देख मुझे विदेशी पोर्न फिल्मों की याद आ गई.

उस वक्त तो सविता की हालत खराब हो गई थी और वो थक चुकी थी लेकिन अंकल उसे बस चोदे जा रहा था.

उसके बाद अंकल ने उसे दीवार से चिपका कर खड़ी कर दिया और उसकी गांड की तरफ से लंड डालकर उसे चोदने लगा.

अंकल चुदाई में माहिर लग रहा था और वो सविता को हर तरह से चोदकर मजा ले रहा

था.
आधा घंटा से वो सविता को चोदे जा रहा था.

जल्द ही दोनों फिर से झड़ चुके थे और फिर दोनों बिस्तर पर लेट गए.

अब मैंने सोचा कि अब सविता अपने कमरे में चली जाएगी क्योंकि वो बेहद ज्यादा थक चुकी थी लेकिन दोनों ऐसे ही बिना कपड़ों के लेटे रहे.
कुछ देर बाद फिर से अंकल ने सविता को गर्म करने की कोशिश की लेकिन इस बार सविता तैयार नहीं हो रही थी.

सविता उस अंकल की जोरदार चुदाई से बेहद ही थक चुकी थी.
लेकिन अंकल नहीं माना और एक बार फिर से सविता की चुदाई की.

यह चुदाई भी लगभग आधा घंटा तक चली.

तीसरी चुदाई के बाद तो सविता की हालत खराब हो गई थी, वो बेहोश जैसी बिस्तर पर पड़ी हुई थी.
उस वक्त सुबह के चार बज चुके थे और अब मैंने भी सोच लिया कि इन दोनों की चुदाई पूरी हो गई है.

करीब 20 मिनट तक मैं देखता रहा और दोनों ऐसे ही नंगे बिस्तर पर लेटे हुए थे.

फिर सविता उठी और अपने कपड़े उठाने लगी.
अंकल उसे देखता जा रहा था.

जैसे ही सविता ने चड्डी पहननी शुरू की, अंकल ने उसका हाथ पकड़ लिया.
सविता अपना हाथ छुड़ाते हुए बोली- नहीं नहीं … अब नहीं. अब मेरी हिम्मत नहीं है,

प्लीज अब जाने दीजिए.

अंकल- बस एक बार और करेंगे बस एक बार. फिर तो कल हम दोनों ही चले जाएंगे और पता नहीं जिंदगी में दुबारा तुमसे मिलने का मौका मिलता है या नहीं. एक बार और आ जाओ.
सविता- मेरी बिल्कुल भी हिम्मत नहीं है अब आगे कभी मौका मिला, तो देखेंगे.

लेकिन अंकल नहीं माना, वो सविता को खींच कर बिस्तर पर ले आया और उसके पैर फैलाकर उसके ऊपर चढ़ गया.
अंकल फिर से सविता के होंठ चूमने लगा और उसके दूध को मसलने लगा.

सविता छटपटा रही थी और छूटने की कोशिश कर रही थी लेकिन अंकल उसे छोड़ने के लिए तैयार नहीं था.

कुछ देर सविता ने विरोध किया फिर चुपचाप लेटकर अपने आपको उसे सौंप दिया.

अब फिर से सविता की चुदाई होने वाली थी और ये उन दोनों की चौथी चुदाई होने वाली थी.

अंकल ने जल्द ही सविता की चूत को मुँह में भर लिया और बड़ी बेदर्दी से चूसने लगा.
जल्द ही सविता गर्म हो गई और Xxx अंकल ने अपना लंड फिर से उसकी चूत में डाल कर पूरी रफ्तार से चोदने लगा.

करीब पांच मिनट तक चोदने के बाद अंकल ने लंड बाहर निकाल लिया और सविता को पेट के बल लेटा दिया.
अंकल ने उसके चूतड़ों को फैलाया और सिस्टर की गांड के छेद में अपना थूक लगा दिया.

ऐसा करते देख सविता उठने लगी और बोली- नहीं नहीं, वहां से नहीं. वहां से मैं किसी को नहीं देती, बहुत दर्द होता है.

अंकल- बिल्कुल दर्द नहीं होगा जान … बस तुम लेटी रहो … अगर दर्द हुआ तो कहना.

सविता बार बार मना करती रही लेकिन अंत में अंकल ने उसे मना ही लिया.

वह चुपचाप लेट गई और अंकल ने उसके चूतड़ों को फैलाते हुए अपना लंड उसकी गांड में लगाया और उसके ऊपर चढ़कर सविता को अपने नीचे दबा लिया.

अंकल ने अब जोर लगाना शुरू किया और जैसे जैसे उसका लंड सविता की गांड में घुस रहा था, सविता छटपटाती जा रही थी.
लेकिन अंकल उसे कस कर दबाए हुए था और अंत में अपना पूरा लंड उसकी गांड में डालकर उसके ऊपर लेट गया.
कुछ समय तक ऐसे ही लेटने के बाद उसने अपनी कमर हिलानी शुरू की और लंड अन्दर बाहर करने लगा.

कुछ देर तक सविता मना करती रही और चिल्लाती रही लेकिन फिर शायद उसे भी मजा आने लगा और वो भी मजा लेने लगी.

अब अंकल जोर जोर से उसकी गांड चोदने लगा, अपने दांतों से उसकी पीठ पर काटने लगा.

लगभग 15 मिनट तक अंकल ने उसकी गांड को बड़ी बेदर्दी से चोदा और गांड में ही झड़ गया.
कुछ देर वो सविता के ऊपर ही लेटा रहा, फिर हटकर बगल में लेट गया.

इसके बाद सविता उठी और जल्दी जल्दी खुद को साफ़ करके कपड़े पहनने लगी.

सुबह के साढ़े पांच बज चुके थे और अब सभी के जागने का समय भी हो गया था.
अंकल ने भी अपना लोवर पहना और दरवाजा खोलकर बाहर का जायजा लिया.

उसके बाद जल्दी से सविता कमरे से बाहर निकल गई.
मैं भी अपने कमरे में वापस लौट आया और मैंने सविता को याद करते हुए दो बार मुठ मारी.

सुबह 9 बजे मेरी मां ने मेरे कमरे का दरवाजा खटखटाया और मुझे उठाया.
मैं फ्रेश होकर बाहर आ गया और बाहर मुझे सविता दिखी.

उसने बड़े ही शालीनता पूर्वक सलवार सूट पहनी हुई थी उस वक्त उसे देखकर कोई भी ये नहीं कह सकता था कि सविता इतनी बड़ी चुदक्कड़ लड़की होगी और अपने बाप की उम्र के लोगों के साथ चुदवाती होगी.

उस वक्त सविता की आंखों के चारों तरफ काले धब्बे नजर आ रहे थे, जिससे पता चल रहा था कि ये रात भर सोई नहीं है.

उस वक्त जब वो चल रही थी तो अपने चूतड़ों को अजीब तरह से हिला रही थी, जिससे मुझे साफ़ पता लग रहा था कि ये उसकी गांड चुदाई के कारण ही है.

फिर शादी के बाद उसी दिन सभी मेहमान और हम लोग भी वहां से वापस आ गए.
घर वापस लौट कर भी कई दिनों तक मैंने सविता को याद करते हुए ही अपना लंड हिलाया.

इसके बाद मैंने सोचा कि क्यों न इस घटना को अन्तर्वासना पर भेजा जाए. इसमें कोमल

मिश्रा जी ने मेरी मदद की.

उम्मीद करता हूं आप सभी को ये कहानी पसंद आई होगी.

आप सभी इस Xxx अंकल फक सिस्टर गांड कहानी पर अपने विचार अवश्य भेजें.

धन्यवाद.

komalmis1996@gmail.com

Other stories you may be interested in

जवान मौसी की चुदाई झाड़ियों में की

Xxx आंटी रोड सेक्स कहानी में मैंने अपनी सगी मौसी को सड़क किनारे की झाड़ियों में ही चोद दिया. मैं उन्हें स्टेशन से लिवाने गया था पर इतनी देर में ही सेटिंग हो गयी. डियर फ्रेंड्स, मैं आपका दोस्त माणिक […]
Full Story >>>

मेरी बीवी की सहेली ने षडयन्त्र करके मेरे साथ सेक्स किया

Xxx ऑफिस गर्ल सेक्स कहानी में मेरी बीवी की सहेली ने मेरे और मेरी बीवी के साथ दगा किया. उसने धोखे से हमारा तलाक करवा दिया और मेरे साथ सेक्स का मजा लिया. नमस्कार मित्रो, मैं एक नया और गुमनाम […]
Full Story >>>

गाँव का उत्सव- सविता भाभी वीडियो

अशोक अपनी पत्नी सविता और उसकी पक्की सहेली शोभा को साथ लेकर अपने पैतृक गाँव आया है. गाँव में नई फसल आने की खुशी में उत्सव मनाया जा रहा है. इस अवसर पर सेक्सी डांसरों को बुला रखा है. पर […]
Full Story >>>

बहन की कुंवारी सहेली को मजे से चोदा

देसी चूत की कहानी मेरी ममेरी बहन की पक्की सहेली, जो एकदम कोरा माल थी, की बुर चुदाई की है. मैं उसे निहारा करता था तो वह भी देख कर मुस्कुरा देती थी. मित्रो, सभी को प्रणाम ! मैं पहली बार […]
Full Story >>>

पति ने दिया पत्नी की चुदाई का ऑफर- 3

मैंने डॉक्टर की बीवी को चोदा, बार बार चोदा जब तक वो गर्भवती नहीं हो गयी. ये सब मैंने डॉक्टर के कहने पर ही किया. पर मुझे मजा बहुत आया इस खेल में ! कहानी के दूसरे भाग डॉक्टर की बीवी […]
Full Story >>>